Dr. Keerti Kumar.
Asstt Prof. (Guest)
Deptt of Psychology,
S.R.A.P. College, Barachakia
(A constituent unit of B.R.A Bihar University MFP)

Subject Psychology.
Class B.A Part II (3rd Paper)
Topic - प्रयोगशाला - प्रयोग
Day. Monday
Date - 20/02/2023
Period. 3rd
Contact No - 9801466117

Q. What is laboratory experiment. Discuss its Types. Explain advantages and disadvantages of it.

प्रश्न - प्रयोगशाला प्रयोग से आप क्या समझते हैं? इसके प्रकारों एवं गुण-दोषों की व्याख्या करें।

उत्तर :- प्रयोगशाला प्रयोग :- वह अनुसंधान है जिसके अन्तर्गत स्वतंत्र परिवर्त्यों को छोड़कर समस्त उपयुक्त परिवर्त्यों (Relevant variables) को नियंत्रित कर उनके विचलन को न्यूनतम करवा जाता है। इस प्रकार अनुसंधानकर्ता हस्तचालित Manipulated variables से पर्वत परिवर्त्य पर प्रभाव का अध्ययन करता है। यह अध्ययन प्राकृतिक तथा दैनिक जीवन की परिस्थितियों में किया जाता है। प्रयोग के परिवर्ती का चयन हस्तचालन विधि से नहीं किया जाता है। प्रत्यक्ष हस्तचालन के कुछ उदाहरण यह मनोविज्ञान के क्षेत्र से दिये जा रहे हैं। जैसे तापमान, प्रकाश, काय-निदेशन आदि। बहुत से परिवर्ती विषय Subject variables की प्रत्यक्ष रूप से हस्तचालित किये जा सकते हैं। जैसे चिन्ता का स्तर Anxiety level, दुख प्यास, दवाओं का प्रभाव, भिन्न प्रशिक्षण द्वारा पूर्व अनुभव के अन्तर लाना और दैनिक की चयन द्वारा हस्तचालित परिवर्ती और

~~अध्ययन द्वारा~~ परिवर्तनों का अन्तर महत्वपूर्ण है या नहीं। प्रयोग नियंत्रित परिस्थिति में किया गया निरीक्षण है। फेस्टिंग के अनुसार प्रयोग का मूल आधार स्वतंत्र परिस्थितियों के होने वाले परिवर्तन का परतंत्र परिवर्ति पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन है। The essence of an experiment may be described as observing the effect on a dependent variables by the manipulation of an independent variables.

Types of Experiment

प्रयोग के प्रकार

प्रयोग को अध्ययन के उद्देश्य के अनुसार विद्वानों ने अनेक प्रकार से वर्गीकृत किया है।

(i) गुणात्मक प्रयोग Qualitative Experiment
(ii) परिमाणात्मक प्रयोग - Quantitative experiment
(iii) खोजपरक प्रयोग - Exploratory experiment
(iv) सिद्धि प्रयोग Confirmatory Experiment
(v) कुशाग्र प्रयोग - Crucial Experiment
(vi) पथ प्रदर्शक प्रयोग - Pilot Experiment

(i) गुणात्मक प्रयोग - इस प्रकार के प्रयोग में परतंत्र परिवर्ती के गुणात्मक परिवर्तन का विश्लेषण किया जाता है और इसका उद्देश्य घटनाओं परिवर्तन का वर्णन करना है। इस प्रकार का प्रयोग प्रायः विस्तृत अन्तर्दर्शन पर आधारित होते हैं।

(ii) परिमाणात्मक प्रयोग :- इस प्रकार के प्रयोग में परतंत्र परिवर्ती के परिवर्तनों का मापन किया जाता है। इस प्रकार जो प्रदत्त प्राप्त होते हैं उनका सांख्यिकीय विश्लेषण किया जाता है। व्यक्ति के किसी एक पक्ष का त्रुटी की संख्या, समय और आवृत्ति आदि की संख्या के रूप में अंकों द्वारा प्रकट किया जाता है।